भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या **207
दिनांक 10.12.2024 को उत्तरार्थ

डिजिटल माध्यम से स्थानीय मौसम पूर्वानुमान

*207 श्री शंकर लालवानी :
श्री विजय कुमार दूबे:

क्या **पंचायती राज** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पंचायत स्तर पर किसानों को डिजिटल माध्यम से स्थानीय मौसम पूर्वानुमान प्रदान करने के प्रयास किए हैं, यदि हां, तो इसके प्रसार के लिए उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्मों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या कृषि आजीविका की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के विरूद्ध ग्रामीण स्तर पर तैयारियों को बढ़ाने में स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के प्रभाव को जानने के लिए कोई आकलन किया गया है, यदि हां, तो भिवानी-महेंद्रगढ़ लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में लागू किए गए उपायों के विशेष संदर्भ के साथ-साथ, विशेषत: उत्तर प्रदेश सहित राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या मौसम की स्थिति की पूर्व जानकारी ने देश भर में कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में योगदान दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) भिवानी- महेंद्रगढ़ लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए स्थानीय पूर्वानुमान और मौसम परामर्शी सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ङ) छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में कृषि आजीविका की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के विरूद्ध ग्रामीण स्तर पर तैयारियों को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ङ) विवरण सभा पटल पर रखा गया है।

डिजिटल माध्यम से स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के संबंध में 10.12.2024 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 207 के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ग): जी हाँ महोदय। पंचायती राज मंत्रालय ने भारत मौसम विभाग के सहयोग से 24 अक्टूबर 2024 को भारत में ग्राम पंचायतों के लिए पंचायत-स्तरीय मौसम पूर्वानुमान शुरू किया है। इसकी मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

(i) प्रत्येक ग्राम पंचायत में मौसम के पूर्वानुमान का उद्देश्य लगभग 2.5 लाख पंचायतों को समय पर और स्थानीय मौसम की जानकारी प्रदान करना है। यह ग्राम पंचायतों को अगले 5 दिनों के दैनिक मौसम पूर्वानुमान और प्रति घंटे मौसम के पूर्वानुमान को प्रदर्शित करने का प्रावधान प्रदान करता है। ये पूर्वानुमान तापमान, वर्षा, आर्द्रता, हवा की गति, हवा की दिशा, बादल कवर जैसे मापदंडों को कवर करता है, जिससे किसानों को कृषि से संबंधित निर्णय लेने में सशक्त बनाया जा सकेगा।

(ii)पंचायत स्तरीय मौसम केपूर्वानुमान की जानकारी पंचायती राज मंत्रालयकेई-ग्राम स्वराज पोर्टल (https://egramswaraj.gov.in/),'मेरी पंचायत' मोबाइल ऐप और 'ग्राम मानचित्र' पोर्टल (https://grammanchitra.gov.in/gm4MVC), और भारत मौसम विभाग के मौसमग्राम वेब पोर्टल (https://mausamgram.imd.gov.in/) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध है।

इसके अलावा, चूंकि स्थानीय पंचायत स्तरीय मौसम के पूर्वानुमान की प्रणाली 24 अक्टूबर 2024 को ही शुरू की गई है, इसलिए इसके प्रभाव का अभी आकलन करना संभव नहीं हो सकता है। हालांकि, कुछ कृषि चक्रों के पूरा होने के बाद भविष्य में प्रभाव आकलन संभव हो सकता है। तथापि, यहअपेक्षित हैकिस्थानीय स्तर पर मौसम की स्थिति के बारे में पहले से जानकारी होने से किसानों को बेहतर फसल प्रबंधन और उपज के लिए मौसम की अनिश्चितताओं के खिलाफ आवश्यक कदम उठाने और सावधानी बरतनेएवं प्राकृतिक आपदा से बचने के प्रयास में मदद मिलेगी।

(घ) और (ङ): पंचायत स्तरीय मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के किसानों सहित सभी के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों जैसे कि पंचायती राज मंत्रालय के ई-ग्राम स्वराज पोर्टल(https://egramswaraj.gov.in/), 'मेरी पंचायत' मोबाइल ऐप और'ग्राम मानचित्र' पोर्टल(https://grammanchitra.gov.in/gm4MVC), और भारत मौसम विभाग के मौसमग्राम वेब पोर्टल (https://mausamgram.imd.gov.in/) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध है। इसके अलावा, ग्रामीण आबादी के लाभ के लिए, भारत मौसम विभाग भी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप, कृषि विज्ञान केंद्र, स्थानीय किसान क्लब आदि सहित विभिन्न सूचना चैनलों के माध्यम से मौसम के पूर्वानुमान की सुविधा प्रदान करता है। सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले सहित देश में कृषि आजीविका की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाना है।

***